

अनमोल दावा

इन्सान की पहचान सूरत से नहीं
वरित्र से करिए, क्योंकि सोना अक्सर
लोहे की तिजोरी में ही सखा जाता।

कोलकाता की घटना पर जनता का
गुस्सा जायज, राजनीतिक नफा-
नुकसान से जु़ड़ा है नेताओं का विरोध

सीएम ममता बनर्जी को इसे राजनीतिक रसाकशी का मुद्दा बनाने के बजाय लोगों को यह भरोसा दिलाना होगा कि वे महिलाओं की सुक्ष्मा को लेकर गंभीर हैं ड्रेने डॉक्टर के साथ बलाकार और हत्या मामले में नबता तक निकाले गए मार्च के दौरान पश्चिम बंगाल छात्र समाज के कार्यकर्ताओं पर लाठीचार्ज करते आरएफ कर्मी। लगा था कि सर्वोच्च न्यायालय की दखल के बाद कोलकाता चिकित्सक बलाकार और हत्या मामले को लेकर उभरा लोगों का रोष कुछ कम हो जाएगा, मगर वह और बढ़ता जा रहा है। अदालत ने घटना के विरोध में अंदोलन कर रहे चिकित्सकों से काम पर लौटने की अपील की थी। मामले पर कार्रवाई में बरती रही शिथित और लापरवाहियों को लेकर पुलिस और चिकित्सालय प्रशासन को फटकार लगाई थी। मगर उससे लोगों का गुस्सा शांत नहीं हो पा रहा। मंगलवार को पश्चिम बंग छात्र समाज ने 'नवाद' अभियान शुरू कर दिया।

बताया जा रहा है कि यह लोगों का गैरजानीतिक मंच है और इसकी तीन प्रमुख मार्ग हैं- पीड़िया को न्याय मिले, मुख्यमंत्री अपने पद से इस्तीफा दें और अपराधी को मृत्युदंड मिले। अब लोगों के विरोध में कुछ सरकारी कम्पनियां संगठनों ने भी अपना स्वर मिला दिया है। उधर भारतीय जनता पार्टी ने बुधवार को बारह घंटे के बांगल बंद का आह्वान किया था, जिसमें पार्टी कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच कई जगह ड्राइव भी हुईं। ऐसे वातावरण में राष्ट्रपति ने भी अपने संबोधन में कहा कि अब समय आ गया है कि बेटियों पर अत्याचार को सहन न किया जाए। किसी भी हाल में महिलाओं का उत्तीर्ण सुनकर चाहिए।

स्वाभाविक ही इस विरोध प्रदर्शन से ममता बनर्जी सरकार की मुश्किलें बढ़ गई हैं। हालांकि इस मामले पर सियासी बयानबाजियां भी तेज हो गई हैं। ममता बनर्जी इन विरोध प्रदर्शनों के पीछे भाजपा का हाथ बता रही है और उनका आरोप है कि केंद्रीय विधायक अधिकार सरकार को अतिथर करते हैं।

○ गठबंधन के नेता भी इसमें सियासी रंग धोल रहे हैं। इस तरह कोलकाता बलाकार और हत्या प्रकरण में अब असल मुद्दे पर कार्रवाई से अधिक राजनीतिक समर्पण बढ़ गई है। हालांकि इस घटना को बीस दिन हो गए और शुरू में ही ममता बनर्जी ने इस पर सख्त रुख अधिकार कर लिया था। आपों को फैरन गिरफतार कर लिया गया, लापरवाही बरतने वाले अस्तातल प्रशासन के खिलाफ भी कार्रवाई कर दी गई। मामले की जांच का जिम्मा सीबीआई को सौंप दिया गया। सर्वोच्च न्यायालय लगातार इस मामले पर नजर बनाए हुए हैं। आपों के सच से सामना कराने से कुछ तथ्य सामने आने की उमीद बनी हुई है। मगर लोगों की नाराजगी कम होने का नाम नहीं ले रही, तो इसकी कुछ जगहें साफ हैं। अभी तक अनेक आपराधिक मामलों में ममता बनर्जी सरकार का रवेया संतोषजनक नहीं देखा गया है। उन सबका मिलाजुला, लंबे समय से जमा रोष इस घटना के बाद फूट पड़ा है। कोलकाता चिकित्सक बलाकार और हत्या कांड को लेकर पूरे देश में आकोश प्रकट हुआ है, तो उसके पीछे भी बड़ी बजाए गए हैं। ममता बनर्जी ने जगतर तकरीबन के नेता भी इसमें सियासी रंग धोल रहे हैं। इस तरह कोलकाता बलाकार और हत्या प्रकरण में अब असल मुद्दे पर कार्रवाई से अधिक राजनीतिक समर्पण बढ़ गई है।

○ अपने तकों से बदल भेजा श्री राम को बनवास का निर्णय लिया जाए। लोगों को निश्चय कर चुके थे।

○ श्री राम ने उन्हें अधिकेक कार्यक्रम रोकने के संघर्ष में आवश्यक कारोंयों के संपादन के लिए सुन्मत जी की सहायता का निर्देश दिया था लोकिन लक्षण जी अविचल है। श्री राम इस बात को समझ रहे हैं।

○ श्री राम ने उन्हें अधिकेक कार्यक्रम रोकने के संघर्ष में आवश्यक कारोंयों के संपादन के लिए सुन्मत जी की सहायता का निर्देश दिया था लोकिन लक्षण जी अविचल है। श्री राम इस बात को समझ रहे हैं।

○ श्री राम ने उन्हें अधिकेक कार्यक्रम रोकने के संघर्ष में आवश्यक कारोंयों के संपादन के लिए सुन्मत जी की सहायता का निर्देश दिया था लोकिन लक्षण जी अविचल है। श्री राम इस बात को समझ रहे हैं।

○ श्री राम ने उन्हें अधिकेक कार्यक्रम रोकने के संघर्ष में आवश्यक कारोंयों के संपादन के लिए सुन्मत जी की सहायता का निर्देश दिया था लोकिन लक्षण जी अविचल है। श्री राम इस बात को समझ रहे हैं।

○ श्री राम ने उन्हें अधिकेक कार्यक्रम रोकने के संघर्ष में आवश्यक कारोंयों के संपादन के लिए सुन्मत जी की सहायता का निर्देश दिया था लोकिन लक्षण जी अविचल है। श्री राम इस बात को समझ रहे हैं।

○ श्री राम ने उन्हें अधिकेक कार्यक्रम रोकने के संघर्ष में आवश्यक कारोंयों के संपादन के लिए सुन्मत जी की सहायता का निर्देश दिया था लोकिन लक्षण जी अविचल है। श्री राम इस बात को समझ रहे हैं।

○ श्री राम ने उन्हें अधिकेक कार्यक्रम रोकने के संघर्ष में आवश्यक कारोंयों के संपादन के लिए सुन्मत जी की सहायता का निर्देश दिया था लोकिन लक्षण जी अविचल है। श्री राम इस बात को समझ रहे हैं।

○ श्री राम ने उन्हें अधिकेक कार्यक्रम रोकने के संघर्ष में आवश्यक कारोंयों के संपादन के लिए सुन्मत जी की सहायता का निर्देश दिया था लोकिन लक्षण जी अविचल है। श्री राम इस बात को समझ रहे हैं।

○ श्री राम ने उन्हें अधिकेक कार्यक्रम रोकने के संघर्ष में आवश्यक कारोंयों के संपादन के लिए सुन्मत जी की सहायता का निर्देश दिया था लोकिन लक्षण जी अविचल है। श्री राम इस बात को समझ रहे हैं।

○ श्री राम ने उन्हें अधिकेक कार्यक्रम रोकने के संघर्ष में आवश्यक कारोंयों के संपादन के लिए सुन्मत जी की सहायता का निर्देश दिया था लोकिन लक्षण जी अविचल है। श्री राम इस बात को समझ रहे हैं।

○ श्री राम ने उन्हें अधिकेक कार्यक्रम रोकने के संघर्ष में आवश्यक कारोंयों के संपादन के लिए सुन्मत जी की सहायता का निर्देश दिया था लोकिन लक्षण जी अविचल है। श्री राम इस बात को समझ रहे हैं।

○ श्री राम ने उन्हें अधिकेक कार्यक्रम रोकने के संघर्ष में आवश्यक कारोंयों के संपादन के लिए सुन्मत जी की सहायता का निर्देश दिया था लोकिन लक्षण जी अविचल है। श्री राम इस बात को समझ रहे हैं।

○ श्री राम ने उन्हें अधिकेक कार्यक्रम रोकने के संघर्ष में आवश्यक कारोंयों के संपादन के लिए सुन्मत जी की सहायता का निर्देश दिया था लोकिन लक्षण जी अविचल है। श्री राम इस बात को समझ रहे हैं।

○ श्री राम ने उन्हें अधिकेक कार्यक्रम रोकने के संघर्ष में आवश्यक कारोंयों के संपादन के लिए सुन्मत जी की सहायता का निर्देश दिया था लोकिन लक्षण जी अविचल है। श्री राम इस बात को समझ रहे हैं।

○ श्री राम ने उन्हें अधिकेक कार्यक्रम रोकने के संघर्ष में आवश्यक कारोंयों के संपादन के लिए सुन्मत जी की सहायता का निर्देश दिया था लोकिन लक्षण जी अविचल है। श्री राम इस बात को समझ रहे हैं।

○ श्री राम ने उन्हें अधिकेक कार्यक्रम रोकने के संघर्ष में आवश्यक कारोंयों के संपादन के लिए सुन्मत जी की सहायता का निर्देश दिया था लोकिन लक्षण जी अविचल है। श्री राम इस बात को समझ रहे हैं।

○ श्री राम ने उन्हें अधिकेक कार्यक्रम रोकने के संघर्ष में आवश्यक कारोंयों के संपादन के लिए सुन्मत जी की सहायता का निर्देश दिया था लोकिन लक्षण जी अविचल है। श्री राम इस बात को समझ रहे हैं।

○ श्री राम ने उन्हें अधिकेक कार्यक्रम रोकने के संघर्ष में आवश्यक कारोंयों के संपादन के लिए सुन्मत जी की सहायता का निर्देश दिया था लोकिन लक्षण जी अविचल है। श्री राम इस बात को समझ रहे हैं।

○ श्री राम ने उन्हें अधिकेक कार्यक्रम रोकने के संघर्ष में आवश्यक कारोंयों के संपादन के लिए सुन्मत जी की सहायता का निर्देश दिया था लोकिन लक्षण जी अविचल है। श्री राम इस बात को समझ रहे हैं।

○ श्री राम ने उन्हें अधिकेक कार्यक्रम रोकने के संघर्ष में आवश्यक कारोंयों के संपादन के लिए सुन्मत जी की सहायता का निर्देश दिया था लोकिन लक्षण जी अविचल है। श्री राम इस बात को समझ रहे हैं।

○ श्री राम ने उन्हें अधिकेक कार्यक्रम रोकने के संघर्ष में आवश्यक कारोंयों के संपादन के लिए सुन्मत जी की सहायता का निर्देश दिया था लोकिन लक्षण जी अविचल है। श्री राम इस बात को समझ रहे हैं।

○ श्री राम ने उन्हें अधिकेक कार्यक्रम रोकने के संघर्ष में आवश्यक कारोंयों के संपादन के लिए सुन्मत जी की सहायता का निर्देश दिया था लोकिन लक्षण जी अविचल है। श्री राम इस बात को समझ रहे हैं।

○ श्री राम ने उन्हें अधिकेक कार्यक्रम रोकने के संघर्ष में आवश्यक कारोंयों के संपादन के लिए सुन्मत जी की सहायता का निर्देश दिया था लोकिन लक्षण जी अविचल है। श्री राम इस बात को समझ रहे हैं।

○ श्री राम ने

वेतन व भविष्य निधि नहीं मिलने से प्लेसमेंट कर्मचारियों का फूटा गुस्सा, निगम में बोला धावा

राजनांदगांव (दावा)। बीते चार महीने से वेतन नहीं मिलने से आक्रोशित प्लेसमेंट कर्मचारियों ने हड्डाताल कर गुरुवार 29 अगस्त को नार निगम में धावा बोला और छत्तीसगढ़ महातारी प्रतिमा के सामने धरना प्रदर्शन कर तथा नारे बुलंद करते हुए वेतन व भविष्य निधि की मांग की।

कर्मचारियों ने धरना प्रदर्शन के दौरान इंकालाब जिन्दाबाद के द्वारा गांधी पुरी करो। वेतन देना होगा के नारे लगाए। वही निगम आयुक्त से मुलाकात कर उठे आप बीती सुनाई। बता दे कि नार निगम में प्लेसमेंट के तहत ट्रेक 70 से अधिक जल-विभाग व विद्युत विभाग के कर्मचारी काम करते हैं। उन्हें बीते चार महीने से तनखाह ही नहीं मिला है। प्लेसमेंट कर्मचारी सेवक राम साहू ने बताया कि उन्हें बीते 4 महीने से तनखाह नहीं मिली है। जिसके कारण उन्हें अपनी काम करना पड़ रहा है। वेतन नहीं मिलने से उन्हें न केवल घर चलाना मुश्किल जा रहा है, बाजार से उथार लिए गए वैयक्तिकों को चुकाना भी परेशानी भरा हो गया है। प्लेसमेंट कर्मचारियों ने बताया कि घर में किसी की तबीयत खबार हो जाने पर इलाज करने के लिए

छत्तीसगढ़ महातारी के सामने किया धरना प्रदर्शन... लगाए गए नारे



पैसा नहीं है। बच्चों को स्कूल फोस्स से लेकर उनके गणवेश व कापी-पुस्तके खरीदने के लिए पैसे नहीं हैं। पैसों के अभाव में उन्हें दूसरों के पास हाथ फैलानी पड़ रही है।

18 महीने से ईंपीएफ नहीं नार निगम के जल विभाग व विद्युत विभाग में काम करने वाले छह

दर्जन के करीब कर्मचारियों ने बताया कि उन्हें 18 महीने से भविष्य निधि की राशि प्राप्त नहीं हुई है। उनके ट्रेकेदार वैभव कोचर ने ईंपीएफ की राशि विगत 18 महीने से उनके खातों में जमा नहीं की है। कर्मचारियों ने बताया कि खाते में भविष्य निधि का पैसा जमा रहने से किसी भी आपात काल के समय

राशि निकाल कर खर्च किया जा सकता है।

उक्त राशि तकलीफ के समय काम आती है। बीते 18 महीने का ईंपीएफ वर महिने से वेतन नहीं मिलने से उन्हें घर-परिवार चलाना मुश्किल जा रहा है। समय पर वेतन नहीं मिलने से बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। कर्ज लेकर घर चलाना पड़ रहा है। निश्चित समय के कर्ज नहीं पैसों से लोग उनके घर के तहत ट्रेक रखने वाले भार हो रहे हैं। कर्मचारियों ने बताया कि किंतु ट्रेकेदार वैभव कोचर ने वेतन की राशि सहित ईंपीएफ की राशि रोक रखी है। कर्मचारियों ने ठेकेदार से उक्त राशि दिलाए जाने की मांग की है।

प्लेसमेंट कर्मचारियों ने अपनी समाजीय बातों। उनका ईंपीएफ जमा नहीं किया जा रहा है। इसे लेकर ठेकेदार नोटिस दिया जा रहा है।

- अधिकारी गुप्ता, 'आयुक्त'

नगर पालिक निगम राजनांदगांव।

छत्तीसगढ़ में प्रशासनिक फेरबदल, 4 आईएएस को मिली नई पौरिटिंग

गयपुरु। छत्तीसगढ़ सरकार ने कल देर शाम चार आईएएस अधिकारियों को नई पौरिटिंग देने का आदेश जारी किया था। लेकिन महज तीन घंटे में ही सरकार को अपना नियन्त्रण बदलना पड़ गया। गत 11 बजे उसमें एक मत्तविष्य संशोधन कर उठे हैं रायपुर बुला लिया गया। जोड़ी ने कल गत कारीब आठ बजे चार आईएएस अधिकारियों का ट्रायांसफर आदेश जारी किया था। लेकिन बाजे में आशिक त्रुटी का हवाला देते हुए जनक प्रसाद पाटक की वापिस रायपुर बुला लिया गया। उनका जानकारी किया गया। उनका जानकारी किया गया। उनका जानकारी किया गया।

तेज आवाज में डीजे बजाने वाले पर पुलिस की बड़ी कार्यवाही

डीआई वाहन व साउंड सिस्टम किया गया जब्त, डीजे संचालकों में दहशत



राजनांदगांव (दावा)। इन दिनों पर्वी व तीव्रताएँ का सिलसिला बना हुआ। पूजा-आराधना हेतु देव प्रतिमाओं की स्थानान्तर की जा रही है। उक्त आयोजनों की धूमधार्म से उनके खातों को अपनी काम करने वाले तीजे का धड़वाले से उपयोग किया जा रहा है। शहर के वार्ड-मुहल्हों में आयोजित इन कार्यक्रमों में डीजे आवाज में डीजे बजाने वालों पर पुलिस की ट्रेके नज़र ही है।

पुलिस से मिले जानकारी के अनुसार 28 अगस्त को रात्रि में लखोली स्थित में तेज व कानफोड़ आवाज में बजा रहे डीजे मालिकों द्वारा कारीबी की जारी रखी गयी। कोतवाली पुलिस ने शहर के लखोली क्षेत्र में तेज व कानफोड़ आवाज में लखोली नील विद्युत की जारी रखी गयी। उक्त विद्युत की जारी रखी गयी। लखोली स्थित में तेज व कानफोड़ आवाज में डीजे बजाने वालों पर पुलिस की जारी रखी गयी।

कचड़े के द्वे से मिला नवजात शिशु का भ्रूण



डोंगरांग (दावा)। खेंगरांग जिले के ग्राम मुद्दोपार में कचड़े के द्वे से मिला नवजात शिशु का भ्रूण मिला है। यह भ्रूण गांव के हाईस्कूल की दीवार से लोग गुहे में मिला। स्कूल से प्राप्त जानकारी के अनुसार कुत्तों ने कचड़े के द्वे से नवजात के भ्रूण को खींचकर बाहर निकाल दिया था। जिसके बाद ग्रामीणों की उस पर नजर पड़ी और उन्होंने पुलिस में इसकी जानकारी दी। फिलहाल नवजात के अविकसित भ्रूण को सिविल अस्पताल खेंगरांग लाया गया है। वहाँ गतापार थाना पुलिस इस मामले की जांच में जुट गई है।

कमला कॉलेज चौक दही लूट में उमड़ा जनसैलाब

राजनांदगांव (दावा)। प्रतिवर्षीनुसार इस वर्ष भी कमला कॉलेज चौक का हाईस्कूल काम करने वाले तीन घंटे में भविष्य विद्युत की जारी रखी गयी। जिसमें अनेक टीम ने हिस्सा लिया गया। अन्य टीमों ने भविष्य विद्युत की जारी रखी गयी। अन्य टीमों ने भविष्य विद्युत की जारी रखी गयी।



आयोजन में भविष्य विद्युत की जारी रखी गयी। अन्य टीमों ने भविष्य विद्युत की जारी रखी गयी। अन्य टीमों ने भविष्य विद्युत की जारी रखी गयी।

म्यूनिसिपल स्कूल की दही हाँड़ी गोदिया की टीम ने फोड़ी

यातायात को देखते हुए जनता को परेशानी न हो इस कारण मैदान में किया गया

राजनांदगांव (दावा)। श्री कृष्ण जन्माष्टमी के उत्सव में भविष्य विद्युत की जारी रखी गयी। आयोजन में मधुसूदन वादव, हावीता दुर्गा सहित अंचल की टीमों ने भविष्य विद्युत की जारी रखी गयी। आयोजन में भविष्य विद्युत की जारी रखी गयी। आयोजन में भविष्य विद्युत की जारी रखी गयी।



रायपुर, दुर्ग की टीमों ने भविष्य विद्युत की जारी रखी गयी। अंतः-गोदिया की टीम मटकी फोड़ी में सफल हुई। जिसे गोदिया उत्सव की विभिन्न जिलों के अन्तर्गत भी देखा गया। आयोजन में भविष्य विद्युत की जारी रखी गयी। आयोजन में भविष्य विद्युत की जारी रखी गयी।

रायपुर, दुर्ग की टीमों ने भविष्य विद्युत की जारी रखी गयी। अंतः-

गोदिया की टीम के अन्य विद्युत की जारी रखी गयी। आयोजन में भविष्य विद्युत की जारी रखी गयी।

भविष्य विद्युत की जारी रखी गयी। आयोजन में भविष्य विद्युत की जारी रखी गयी।

भविष्य विद्युत की जारी रखी गयी। आयोजन में भविष्य विद्युत की जारी रखी गयी।

भविष्य विद्युत की जारी रखी गयी। आयोजन में भविष्य विद्युत की जारी रखी गयी।

भविष्य विद्युत की जारी रखी गयी। आयोजन में भविष्य विद्युत की जारी रखी गयी।

भविष्य विद्युत की जारी रखी गयी। आयोजन में भविष्य विद्युत की जारी रखी गयी।

भविष्य विद्युत की जारी रखी गयी। आयोजन में भविष्य विद्युत की जारी रखी गयी।

भविष्य विद्युत की जारी रखी गयी। आयोजन में भविष्य विद्युत की जारी रखी गयी।

भविष्य विद्युत की जारी रखी गयी। आयोजन में भविष्य विद्युत की जारी रखी गयी।

भविष्य विद्युत की जारी रखी गयी। आयोजन में भविष्य विद्युत की जारी रखी गयी।

भविष्य विद्युत की जारी रखी गयी। आयोजन में भविष्य विद्युत की जारी रखी गयी।

भविष्य विद्युत की जारी रखी गयी। आयोजन में भविष्य विद्युत की जारी रखी गयी।

भविष्य विद्युत की जारी रखी गयी। आयोजन में भविष्य विद्युत की जारी रखी गयी।